राजस्थान में MSME क्षेत्र की वृद्धि हेतु प्लग एंड प्ले सुविधा

चर्चा में क्यों?

राजस्थान सरकार ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) के माध्यम से **जयपुर स्थित सीतापुरा** विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) में नवनिर्मित **प्लग एंड प्ले सुविधा** में तैयार-से-संचालित औद्योगिक परिसरों के शीघ्र आवंटन की घोषणा की है।

- इसका उद्देश्य MSME **इकाइयों को पूर्व-निर्मित औद्योगिक परिसर उपलब्ध कराना** है, जो **आवश्यक अधोसंरचना** से पूरी तरह सुसज्जित हों ताकि उनके संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए।

नोट: राजस्थान की औद्योगिक प्रगति को प्रदर्शित करने के लिये सरकार **11-12 दिसंबर 2025** को जयपुर में **'राइज़िंग राजस्थान: पार्टनरशिप कॉन्क्लेव 2025'** का आयोजन करेगी।

मुख्य बिंदु

प्लग एंड प्ले सुविधा के बारे में:

- '**प्लग एंड प्ले**' अवधारणा सामान्यतः ऐसी तैयार सुविधाओं को दर्शाती है जिनमें भवन, बिजली-पानी-सीवरेज कनेक्टिविटी, सड़क संपर्क तथा अन्य मूलभूत ढाँचागत सुविधाएँ पहले से उपलब्ध होती हैं, साथ ही उद्योग शुरू करने हेतु आवश्यक अनुमतियाँ भी प्राप्त होती हैं।
- **MSME और नवाचार इकाइयों के लिये महत्त्व:**
  - **सुलभता:** प्लग एंड प्ले मॉडल छोटे निवेशकों और **MSME इकाइयों** को **उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक परिसर न्यूनतम प्रारंभिक पूंजी निवेश** के साथ सुलभ कराता है।
  - **सुगमता:** यह सुविधा **नवीन व्यवसायों को शीघ्र संचालन** शुरू करने में सक्षम बनाती है, क्योंकि उन्हें अधोसंरचना विकास की अलग से आवश्यकता नहीं होती।
  - **विकास में सहयोग:** राज्य सरकार का उद्देश्य **उद्यमशीलता को बढ़ावा देना**, छोटे उद्योगों के लिये अवसर प्रदान करना, तथा राजस्थान सहित अन्य राज्यों में आत्मनिर्भर व्यावसायिक वातावरण का निर्माण करना है।
  - **स्थायित्व:** यह पहल समग्र अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने के लिये विशेष रूप से हल्के विनिर्माण क्षेत्र में **MSME** को आकर्षित करने के देश के व्यापक लक्ष्य की पूर्ति करती है।

विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ)

- **परिचय:** SEZ एक शुल्क-मुक्त क्षेत्र है जिसे **व्यापार, शुल्क और संचालन** के उद्देश्य से विदेशी क्षेत्र माना जाता है। कोई भी निजी/सार्वजनिक/संयुक्त क्षेत्र **या राज्य सरकार या उसकी एजेंसियाँ SEZ स्थापित** कर सकती हैं।
  - भारत में SEZ को पहली बार वर्ष 2000 में विदेश व्यापार नीति के तहत शुरू किया गया था, जिसने पहले के **निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों (EPZ)** की जगह ली थी। वे **SEZ अधिनियम, 2005** और **SEZ नियम, 2006** द्वारा शासित होते हैं।
- **SEZ के प्रकार:**
  - **SEZ** के अंतर्गत क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के क्षेत्र शामिल हैं, जैसे **निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र (EPZ), मुक्त क्षेत्र (FZ), औद्योगिक संपदा (IE), मुक्त व्यापार क्षेत्र (FTZ), मुक्त बंदरगाह, शहरी उद्यम क्षेत्र और अन्य।**
  - वर्तमान में **भारत में 276 SEZ चालू हैं। वर्ष 2023-2024 में SEZ से कुल निर्यात 163.69 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा।**
  - उदाहरण के लिये, गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी **(गिफ्ट सिटी, भारत)।**
- **उद्देश्य:**
  - **अतिरिक्त आर्थिक गतिविधि सृजित करना**
  - **वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात** को बढ़ावा देना
  - **रोज़गार सृजन करना**
  - घरेलू और विदेशी निवेश को बढ़ावा देना
  - **बुनियादी सुविधाओं** का विकास करना

राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO)

- यह एक **सरकारी उपक्रम** है, जिसे **कंपनी अधिनियम, 1956** के तहत **1969** में **राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम (RSIMDC)** के रूप में शामिल किया गया और **1 जनवरी 1980** को इसे दो भागों में विभाजित कर दिया गया: **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (RIICO)** और **राजस्थान राज्य खनिज विकास निगम (RSMDC)।**
- **रीको** ने **औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना** करके **राजस्थान राज्य के औद्योगीकरण** में **अग्रणी भूमिका** निभाई है।
- **रीको** बड़े, मध्यम और लघु स्तर की परियोजनाओं को **ऋण प्रदान** करके एक **वित्तीय संस्थान** के रूप में भी कार्य करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/plug-and-play-facility-to-boost-msme-growth-in-rajasthan